



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

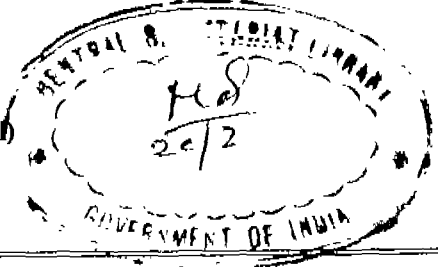
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 552]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 20, 2002/ज्येष्ठ 30, 1924

No. 552]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 20, 2002/JYAISTHA 30, 1924

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 जून, 2002

का.आ. 653(अ).— केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित मैसर्स गुजरात स्टेट हैण्डलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, जो कि एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय गुजरात राज्य में ब्लाक सं० 18 तीसरा तल, उद्योग भवन, सेक्टर- II, गांधी नगर में है, के मुख्य उद्देश्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए और नीतियों के समन्वयन और हथकरघा वस्तुओं के निर्माण के कामकाज को, प्रभावी और सुचारु रूप से चलाने अतिव्याप्ति और प्रतिस्पर्धा से बचकर ग्रामीण क्षेत्र के शिल्पकारों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के विपणन और उत्पादन के द्वारा सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए और बेहतर संसाधन प्रबंध के द्वारा कम्पनी के कार्यक्रम की प्रोन्नति को सुनिश्चित करने के प्रयोजन से, यह आवश्यक है कि मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, जो कि कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन एक सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ब्लाक 17, तीसरा तल, उद्योग भवन, सेक्टर- II, गांधी नगर - 380 2011 है और उक्त मैसर्स गुजरात स्टेट हैण्डलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, जो सरकारी कंपनी है, का समामेलन एकल कंपनी में किया जाना चाहिए :

और मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड ने मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन के साथ अपने समामेलन का अनुमोदन 27.3.1999 को हुए वार्षिक साधारण अधिवेशन में कंपनी के शेयर धारकों के द्वारा पारित संकल्प द्वारा कर दिया है;

और मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन ने मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के साथ अपने समामेलन का अनुमोदन 26.3. 1999 को हुए वार्षिक साधारण अधिवेशन में पूर्ववर्ती कंपनी के शेयर धारकों द्वारा पारित संकल्प द्वारा कर दिया है ;

और समामेलन के लिए प्रस्तावित आदेश की प्रति पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात् मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड और मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड को आक्षेप और सुझाव, यदि कोई हो, आमंत्रित करने के लिए दो समाचार पत्रों में उसके प्रकाशन के लिए भेजी गई थी ;

और मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, के साथ मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन के सम्मेलन की स्कीम दैनिक समाचार पत्रों अर्थात्- तारीख 1.4.2000 के “ इंडियन एक्सप्रेस” (अंग्रेजी), तारीख 1.4.2000 के गुजराती समाचार (गुजराती), और तारीख 31.3.2000 को संदेश (गुजराती) में दोनों कंपनियों द्वारा प्रकाशित की गई थी ;

और प्राप्त आक्षेपों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार , कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त कंपनियों का सम्मेलन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ** - (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड और गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (सम्मेलन) आदेश, 2002 है ।
2. **परिभाषाएं** - इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -
 - (क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है, जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है ;
 - (ख) “विघटित कंपनी” से गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है ;
 - (ग) “परिणामी कंपनी” से गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है ;
3. **शेयर धारण का पैटर्न** - (क) 31.3.1998 को दोनों कंपनियों के शेयर धारण का पैटर्न निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	कंपनी का नाम	शेयर धारकों के नाम	शेयरों की कुल संख्या	राशि (रुपये में)
1.	मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	(क) गुजरात के राज्यपाल और उनके नाम निर्देशिती (ख) भारत के राष्ट्रपति और उनके नाम निर्देशिती	2,32,922	2,32,92,200
2.	मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड	(क) गुजरात के राज्यपाल और उनके नाम निर्देशिती (ख) भारत के राष्ट्रपति और उनके नाम निर्देशिती	4,89,923	4,89,92,300

4. **कंपनियों का सम्मेलन**:- (i) नियत दिन से ही - मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जैसा भी है, जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियां, चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्तियां और दायित्व वर्तमान या भावी चाहे परिसमापित हैं या नहीं, हैं, चाहे वे जिस प्रकृति की हों, अर्थात् मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां, पट्टे, अभिधारण अधिकार, शेयरों में या अन्यथा विनिधान, व्यापार स्टाक, कर्मशाला, औजार, अभिवहन में माल, सभी किस्मों के धनों का अग्रिम, बही खाता ऋण, बकाया धन, वसूली योग्य दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञापत्र आयत और अन्य अनुज्ञापत्र आशय के पत्र और प्रत्येक विवरण के सभी अधिकार और शक्तियां किन्तु विघटित कंपनियों की उक्त संपत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधक और प्रभार और आडमान, प्रतिभूतियां और किसी भी प्रकार के सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए बिना किसी आगे कार्यवाई और कृत्य तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे या अंतरित और उसमें निहित समझे जाएंगे ।

(ii) लेखा प्रयोजनों के लिए, समामेलन उक्त दोनों कंपनियों के 31.3.1998 को संपरीक्षित लेखा और तुलन पत्रों के प्रति निर्देश से प्रभावी किया जाएगा और उसके पश्चात् के संव्यवहार सम्मिलित खाते में पुलित किए जाएंगे। विघटित कंपनी से किसी पश्चात्तवर्ती तारीख को उसके अंतिम खाते तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी 31.03 1998 के तुलन पत्र के अनुसार सभी आस्तियां और दायित्व ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् विघटित कंपनी के सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण- विघटित कंपनी के उपक्रम के अंतर्गत विकास रिबेट आरक्षित, यदि कोई है, सभी अधिकार, शक्तियां प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी संपत्ति चाहे जंगम हों या स्थावर आती हैं जिसके अंतर्गत नकद अतिशेष आरक्षित, राजस्व अतिशेष विनिधान और ऐसी संपत्तियों में या उससे उद्भूत सभी संबंधित हित और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हों या उसके कब्जे में हों और उससे संबंधित सभी बहियां लेखा और दस्तावेज विघटित कंपनी की बाबत विद्यमान किसी भी किस्म के सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं भी आती हैं।

5. **संपत्ति की कुछ मदों का अंतरण** - इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियत दिन को विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानियां या दोनों, यदि कोई हैं, और विघटित कंपनी की राजस्व आरक्षितियां या कमियां, यदि कोई हैं, जब परिणामी कंपनी को अंतरित होती हैं या तो वे परिणामी कंपनी के, यथास्थिति, क्रमशः लाभ या हानियां और राजस्व आरक्षित या कमियों का भाग रूप होंगे।
6. **संविदाओं की व्यावृत्ति आदि** - इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसी सभी संविदाएं, विलेख, बंध पत्र, करार और किसी भी प्रकृति के अन्य लिखत, विघटित कंपनी पक्षकार है, जो नियत दिन के पूर्व विद्यमान है या प्रभाव रखते हैं, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावशील होंगे और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप में प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो परिणामी कंपनी उसकी एक पक्षकार रही हो।
7. **विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति-** यदि नियत दिन को विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाहियां लंबित हो, जो विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाने या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के कारण उपशमन नहीं होगी या वह रोकी नहीं जाएगी या किसी भी प्रकार से प्रतिकूल रूप में इसे प्रभावित नहीं करेगी, किंतु वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां उसी रीति से और उसी सीमा तक परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकेगी जिस प्रकार यदि वह आदेश न किया गया होता तो विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रहती, अभियोजित किया जाता और प्रवृत्त रहती।
8. **कराधान की बाबत उपबंध** - नियत दिन के पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारबार के लाभों और अभि लाभों, (जिसके अंतर्गत संचित हानियां और अनामेहित अवक्षेप भी हैं) की बाबत सभी कर परिणामी कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहत के अधीन रहते हुए संदेय होंगे जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएं।
9. **विघटित कंपनी के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध** - विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी (जिसमें पूर्णकालिक निदेशक भी हैं) या अन्य कर्मचारी (विघटित कंपनी के अन्य निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से ही परिणामी कंपनी का, यथास्थिति अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा या करेगी जो वह विघटित कंपनी में धारण करता या करती यदि यह आदेश न किया जाता और तब तक ऐसा करता रहेगा या करती रहेगी जब तक कि परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या पारस्परिक सहमति द्वारा उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों में सम्यक् रूप से परिवर्तन नहीं कर दिया जाता है।

10. **निदेशकों की स्थिति-** विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उसी रूप में पद धारण किए हुए है, नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रह जाएगा ।
11. **भविष्य निधि, अधिवर्षिता, कल्याण और अन्य निधियां-** आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, विघटित कंपनी द्वारा उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि या अधिवर्षिता निधि या कल्याण निधि और किसी अन्य निधियों के न्यासी नियत दिन को न्यास की निधियों का अंतरण परिणामी कंपनी को करेंगे, जो ठीक नियत दिन से उपरोक्त धन का एक या अधिक न्यासों का गठन करेंगे, जिनके उद्देश्य, निबंधन और शर्तें वही होंगी जो विद्यमान न्यास की हैं या विद्यमान निधियों का परिणामी कंपनी के तत्स्थानी एक या अधिक न्यासों को अंतरण किया जा सकेगा और विघटित कंपनी तथा परिणामी कंपनी द्वारा स्थापित न्यास के हिताधिकारियों के अधिकारों और हितों को किसी भी रूप में कम या प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं किया जाएगा ।
12. **भविष्य निधि की सदस्यता-** विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की स्कीम के अधीन कर्मचारी भविष्य निधि न्यास के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य थे और परिणामी कंपनी, राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदाय उसी दर से करेगी और करती रहेगी जिस दर से विघटित कंपनी करती रही है या ऐसी अन्य दर से जो तत्पश्चात् विद्यमान विधि के अधीन लागू हो ।
13. **मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड का विघटन-** इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड का विघटन हो जाएगा और कोई व्यक्ति, विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसके ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में कोई दावा, मांग या कार्यवाही नहीं करेगा, सिवाय वहां तक जहां तक इस समामेलन के आदेश के उपबंधों को प्रवृत्त करने के लिए आवश्यक हों ।
14. **कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण -** केन्द्रिय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात्, यथाशीघ्र, अहमदाबाद स्थित कंपनी रजिस्ट्रार (गुजरात) अहमदाबाद को इस आदेश की प्रति भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार (गुजरात) अहमदाबाद परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदेय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा । उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार अहमदाबाद विघटित कंपनी के संबंध में उसके पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड जिस के साथ अंतरक कंपनी का समामेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा ।
15. **परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद -** मैसर्स गुजरात स्टेट हैंडलूम डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान हैं, नियत दिन से ही परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे ।

[फा. सं. 24/05/99/सौएल-III]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS**(Department of Company Affairs)****ORDER**

New Delhi, the 19th June, 2002

S.O. 653(E).—Whereas the Central Government is satisfied that for the purpose of securing the principal object of M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited, a Government company incorporated under the companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Block No. 18, 3rd Floor, Udyog Bhawan, Sector-II, Gandhinagar in the State of Gujarat and for the purpose of securing coordination in policy and the efficient working of manufacturing Handloom articles by avoiding overlapping and competition for achieving the social objectives for production and marketing of goods produced by the artisans in rural areas and in order to improve the performance of the Companies for better resource management, it is essential that the Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited, a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 having its registered office at Block No. 17, 3rd Floor, Udyog Bhawan, Sector-II, Gandhinagar-382 011 and the said M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited which is also a Government company, shall be amalgamated into a single company:

And whereas, M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited approved its amalgamation with M/s. Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited by resolution passed by the shareholders of the company in the Annual General Meeting held on 27.03.1999;

And whereas, M/s. Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited approved the amalgamation with M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited by resolution passed by the shareholders of the former company in the Annual General Meeting held on 26.03.1999;

And whereas, a copy of the proposed Order for amalgamation was sent in draft to the aforesaid Companies namely, M/s Gujarat State Handloom Development Corporation Limited and M/s Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited for its publication in two newspapers inviting objections and suggestions if any;

And whereas, the scheme of amalgamation of M/s Gujarat State Handloom Development Corporation Limited with M/s Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited was published by both the companies in the daily newspapers namely Indian Express (English) on 1.4.2000, Gujarat Samachar (Gujarati) on 1.4.2000 and Sandesh (Gujarati) on 31.3.2000;

And whereas, the objections received were considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two companies, namely:-

1. **Short title and commencement .-** This Order may be called the Gujarat State Handloom Development Corporation Limited and the Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited (Amalgamation) Order, 2002.

2. **Definitions.-** In this Order, unless the context otherwise requires, -

- (a) "appointed day" means the date on which this Order is Published in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the Gujarat State Handloom Development Corporation Limited;
- (c) "resulting company" means the Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited;

3. **Shareholding pattern . –** (a) The shareholding pattern of the two companies as on 31.03.1998 is as under :-

S.No	Name of the Company	Names of share holders	Total Number of Shares	Amount Rs.
1.	M/s. Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited	(a) Governor of Gujarat and his nominees (b) President of India and his nominees	2,32,922	2,32,92,200
2.	M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited	(a) Governor of Gujarat and his Nominees (b) President of India and his nominees	4,89,923	4,89,92,300

4. **Amalgamation of companies.** - (i) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited in as is where is condition, including all the properties, movable and immovable and other assets and liabilities, present or future whether liquidated or not of whatsoever nature, i.e. machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investment in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods in transit, advances of monies of all kinds, book-debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, Industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecations, guarantees, and all rights whatsoever, affecting the said properties of the dissolved company shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in the resulting company in accordance with the law for the time being in force.

(ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheet as on 31.03.1998 of the said two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet of the dissolved company as on 31.03.1998 and shall accept full responsibility for all transactions of the dissolved company thereafter.

Explanation.- The undertaking of the dissolved company shall include Development Rebate Reserve, if any, all rights, powers authorities and privileges and all property, movable or immovable including cash balances, reserves, revenue balances, investments, all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to or, be in the possession of, the dissolved company, immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. **Transfer of certain items of property.-** For the purpose of this Order, all the profits or losses or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be of the resulting company.

6. **Saving of contracts, etc.-** Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. **Saving of legal proceedings. -** If on the appointed day, any suit, prosecution appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this Order but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this Order had not been made.

8. **Provision with respect to taxation .-** All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. **Provisions respecting officers and other employees of the dissolved company .-** Every whole-time officer (including whole-time Directors) or other employees (excluding the other Directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he or she would have held under the dissolved company, if this amalgamation had not been made, and shall continue to do so unless and until his or her recommendation and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. **Position of directors.-** Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved company on the appointed day.

11. **Provident, superannuation, welfare and other funds.-** Subject to the compliance with the provisions of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Trustees of the Provident Fund or Superannuation Fund or Welfare Fund and any other funds established by the dissolved company for the benefit of its Officers and employees shall transfer funds of the Trust as on the appointed day to the resulting company, who shall immediately from the appointed day constitute the above moneys into one or more trusts with the objects, terms and conditions similar to those of the existing trust or the said existing funds may be transferred to one or more corresponding trusts of the resulting company and the rights and interests of the beneficiaries of the trust established by the dissolved company and resulting company shall not in any way be diminished or prejudiced.

12. **Membership of provident fund.** - All officers and employees of the dissolved company shall continue to be the members of the Employees Provident Fund Trust under the Scheme of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the date of publication of this Order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these Officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company or such other rates as subsequently applicable under the existing laws.

13. **Dissolution of the M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited** .-Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a director or an officer thereof in his capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order of amalgamation.

14. **Registration of the Order by the Registrar of Companies.**- The Central Government shall, as soon as may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, (Gujarat) Ahmedabad a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, (Gujarat) Ahmedabad shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of the Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Ahmedabad shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved company on the file of M/s. Gujarat State Handicrafts Development Corporation Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

15. **Memorandum and Articles of Association of the resulting company.**- The Memorandum and Articles of Association of M/s. Gujarat State Handloom Development Corporation Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F. No. 24/05/99-CL-III]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.